17 मार्च 2018 को (1) इन्दौर–देवास–उज्जैन रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य का भूमिपूजन (2) लक्ष्मीबाई नगर इन्दौर–रतलाम खंड के विद्युतीकरण के लिए भूमिपूजन (3) डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास कार्य का शिलान्यास (4) इन्दौर रेलवे स्टेशन पर दो Lifts तथा डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर 370 केडब्ल्यूपी सोलर प्लांट का उद्घाटन और (5) इन्दौर रेलवे स्टेशन पर दो एस्केलेटर्स तथा एलईडी प्रकाश व्यवस्था एवं डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर कोचिंग कॉम्पलेक्स के लोकार्पण के अवसर पर मा. लोक सभा अध्यक्ष के वार्ता बिन्दु।

1. सबसे पहले मैं सभी उपस्थित जनसमूह को गुड़ी पड़वा की बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं प्रसन्नता लेकर आए। सभी का भावी जीवन यशपूर्ण एवं कीर्तिपूर्ण हो।

2. आज (1) इन्दौर–देवास–उज्जैन रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य का भूमिपूजन (2) लक्ष्मीबाई नगर इन्दौर–रतलाम खंड के विद्युतीकरण के लिए भूमिपूजन (3) डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास कार्य का शिलान्यास (4) इन्दौर रेलवे स्टेशन पर दो Lifts तथा डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर 370 केडब्ल्यूपी सोलर प्लांट का उद्घाटन और (5) इन्दौर रेलवे स्टेशन पर दो एस्केलेटर्स तथा एलईडी प्रकाश व्यवस्था एवं डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर कोचिंग कॉम्पलेक्स के लोकार्पण के अवसर पर आकर मुझे बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

3. आज का दिन हम सब और विशेष रूप से इंदौर और इसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों के लिए वास्तव में बहुत खास है। आज हम अपने क्षेत्र में रेलवे विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम रख रहे हैं। एक ओर जहां इन्दौर रेलवे स्टेशन में विश्वस्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था जैसे 2 Escalator and 2 Lifts, LED Lighting arrangement इत्यादि का लोकार्पण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर 370 केडब्ल्यूपी सोलर प्लांट का उद्घाटन हो रहा है, साथ ही डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर कोचिंग काम्पलेक्स का भी लोकार्पण हो रहा है। इन सुविधाओं से इन्दौर और उसके आसपास की जनता को काफी लाभ होगा।

4. इन्दौर–देवास–उज्जैन रेलवे लाइन के दोहरीकरण एवं लक्ष्मीबाई नगर–रतलाम खंड के विद्युतीकरण से भी भविष्य में इन्दौर और आस–पास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होने वाला है। इससे प्रदेश के शाजापुर–देवास औद्योगिक क्षेत्र, रतलाम नागदा, पीथमपुर–धार–महू

औद्योगिक क्षेत्र को काफी लाभ होगा। **मैं रेल मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहती हूं कि इस लाइन की क्षमता इस प्रकार बढ़ाई जाए कि इस रास्ते से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से रेलगाड़ियां चल सके।**

5. डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के Model Satellite Station के रूप में विकसित होने से रेलयात्रियों को सुविधा होगी। इन्दौर रेलवे स्टेशन के अलावा इस स्टेशन से भी रेलयात्री अपने गंतव्य के लिए यात्रा करेंगे। चूंकि यह स्टेशन कैंट एरिया के निकट है तो हमारे फौजी भाइयों को भी आवागमन करने में सहुलियत होगी।

6. भूमि को मां का दर्जा दिया गया है, भूमि से हमें सबकुछ मिलता है, यह सभी जानते हैं। रहने का स्थान, भोजन, पानी, नदियां, झरने, सड़कें सब धरती के सीने से गुजरते हैं। इसलिए हमारी परंपरा में भूमिपूजन का विशेष महत्व है। भूमि को माता मानकर उस पर होने वाले हर निर्माण से पहले उसकी पूजा अनिवार्य हैः–

''ओउम् वसुन्धरा विद्महे
भूतधात्राय धीमहि
तन्नो भूमि प्रचोद्यात्।''

(Which means; let us meditate on Bhumi Devi, the one who provides all to bless us with abundance?)

7. मध्य भारत के इस क्षेत्र में रेल यातायात का सबसे जरूरी व उपयोगी संसाधन है। चाहे माल ढुलाई हो या लोगों की आवाजाही, इसमें रेल की भूमिका बढ़ी है। रेलवे के विद्युतीकरण से जहां heavier freight व longer passenger train चलाने की संभावना बढ़ती है। ज्यादातर सेक्शन में एक विद्युत इंजन 24 डिब्बों को खींच सकता है जिससे क्षमता बढ़ती है, वहीं प्रदूषण भी कम होता है। इसी प्रकार लक्ष्मीबाई नगर–रतलाम रेलवे लाइन के विद्युतीकरण का शिलान्यास किया जा रहा है जो कि पूरे मालवांचल के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। न केवल इससे यात्रा के समय में भी बचत होगी बल्कि यह more cost effective and environment friendly भी होगी।

8. हाल ही में रेल मंत्री जी ने एक वक्तव्य में बताया था कि रेलवे के complete electrification से राजकीय कोष की सालाना 16,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह बहुत उत्साहजनक है। वर्ष 1947 में हमारे पास 55,000 किलोमीटर की रेल लाइन थी जो अब 70 वर्षों में बढ़कर 121407 किलोमीटर हो गई है। अभी 38 प्रतिशत रेल लाइनें

(electrified) विद्युतीकृत हो गईं हैं और उम्मीद है कि धीरे–धीरे यह 100 प्रतिशत लाइनें electrified हो जाएंगी।

9. जिस प्रकार नदी–घाटी सभ्यता में सभी महान शहर नदियों के किनारे बसे थे, उसी प्रकार आधुनिक समय में रेल अवसंरचनाएं (Railway Infrastructure) आधुनिक अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में हमारे समक्ष हैं। मैंने अनुभव किया है कि हमारे देश के लगभग सभी बड़े शहर रेलमार्ग से आपस में जुड़े हैं एवं उस शहर की अर्थव्यवस्था में रेलवे का विशिष्ट योगदान रहा है। तो हम रेल अवसंरचना निर्माण ही नहीं कर रहे हैं बल्कि अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

10. विकास के केन्द्र में मेट्रो रेल जैसी व्यवस्थाएं भी हमारे समक्ष है जो huge foreign investments का केन्द्र–बिन्दु बनती जा रही हैं। रेलवे के पास बहुत सारी परिसम्पत्तियां खाली पड़ी हैं। यदि उनका सही ढंग से व्यवसायीकरण किया जाए तो लाखों रुपये की आमदनी उस भूमि से हो सकती है जिसे हमने खाली छोड़ रखा है।

11. भारतीय रेल पिछले 161 सालों से राष्ट्र की सेवा करती आ रही है। रेलगाडियां आवागमन का न केवल सर्वाधिक लोकप्रिय बल्कि बहुत ही सुविधाजनक और सस्ता साधन भी हैं। रेलवे हमारे देश की जीवन रेखा है। अर्थव्यवस्था और समाज को गति देने के साथ–साथ रेलवे देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में भी बहुत योगदान कर रही है।

12. मैं रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल जी एवं सभी संबंधित रेलवे अधिकारियों को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने इन्दौर में रेल सुविधाओं के विस्तार करने एवं आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पश्चिम रेलवे जोन एवं रतलाम मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देती हूं जिन्होंने पूरे मनोयोग से विकास के कार्यों को गति दी है। रेल मंत्रालय का निरंतर प्रयास रहता है कि रेलयात्रियों को निरंतर आधुनिकतम एवं बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

13. मैं कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सभी आयोजकगण को भी बधाई देती हूँ। एक बार पुनः उपस्थित समस्त जनसमूह को गुड़ी पड़वा की ढेर सारी शुभकामनाएं।

धन्यवाद ।